7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** धातुरूपों की सूत्र निर्देशपूर्वक रूपसिद्धि कीजिए–

भवन्ति, अभवः, भवेत्, भविष्यामः।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की उदाहरण सहित सिद्धि कीजिए–

(i) कर्मण्यण्

(ii) ऋदोरप्

(iii) समानकर्तृकयोः पूर्वकाले

(iv) इगुपधज्ञाप्रीकिरः कः।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पदों की सूत्र निर्देशपूर्वक सिद्धि कीजिए–

(i) वैनतेयः

(ii) बन्धुवा

(iii) भवदीयः

(iv) गुणवान्।

SA–05

June – Examination 2022

B.A. (Part–III) Examination

SANSKRIT

नाटक तथा व्याकरण

Paper : SA-05

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **4×3½=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, एक वाक्य, एक शब्द या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 3½ अंक का है।

1. (i) कृष्ण मृग का पीछा करते हुए राजा दुष्यन्त की उपमा सूत द्वारा किसके साथ की है ?

(ii) महर्षि दुर्वासा ने शाप के निवारणार्थ क्या उपाय बताया था ?

(iii) अभिनवमधुलोलुप ..... इत्यादि श्लोक के माध्यम से किस देवी के द्वारा राजा को उपालम्भ दिया गया था ?

(iv) इन्द्र ने मातलि के माध्यम से राजा दुष्यन्त को क्या संदेश भिजवाया था ?

(v) 'मालिनी' छन्द का लक्षण संस्कृत में लिखिए।

(vi) 'झोऽन्तः' सूत्र का अर्थ लिखिए।

(vii) 'आश्वपतम्' में कौनसा प्रत्यय है ?

(viii) 'क्षिप्तः' व 'दर्शनम्' के प्रकृति-प्रत्यय का उल्लेख कीजिए।

खण्ड—ब **4×14=56**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा के माध्यम से कीजिए :

शुश्रूषस्व गुरुन् कुरू प्रियसखीवृत्तिं सपत्नीजने,
भर्तुर्विप्रकृताऽपि रोषणतया मा स्म प्रतीपं गमः।
भूयिष्ठं भव दक्षिणा परिजने भाग्येष्वनुत्सेकिनी,
यान्त्येवं गृहिणीपदं युवतयो वामाः कुलस्याधयः॥

अथवा

आलक्ष्यदन्तमुकुलाननिमित्तहासै-
रव्यक्तवर्णरमणीयवचः प्रवृत्तीन्।
अङ्काश्रयप्रणयिस्तनयान् वहन्तो,
धन्यास्तदङ्गरजसा मलिनीभवन्ति॥

3. 'काव्येषु नाटकं रम्यं तत्र रम्या शकुन्तला' इस सूक्ति के परिप्रेक्ष्य में 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' नाटक के वैशिष्ट्य को सोदाहरण सिद्ध कीजिए।

4. निम्नांकित सूक्तियों में से किन्हीं **दो** सूक्तियों की समसामयिकता पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए—

(i) अथवा भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र

(ii) अहो विघ्नवत्यः प्रार्थितार्थ सिद्धयः

(iii) न कदापि सत्पुरुषाः शोकवक्तव्याः भवन्ति

(iv) प्रायः स्वमहिमानं क्षोभात् प्रतिपद्यते हि जनः।

5. शकुन्तला **अथवा** दुष्यन्त का चरित्र-चित्रण अभिज्ञानशाकुन्तलम् के आधार पर संस्कृत उद्धरण प्रस्तुत करते हुए कीजिए।

6. कालिदास ने प्रकृति का मानवीकरण किया है। इस पंक्ति का औचित्य अपने शब्दों में उद्धरण सहित सिद्ध कीजिए।